Your Imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566
GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016
सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888
• वर्ष : 10 • अंक : 295 • दिनांक : 31-07-2026, FRIDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

आपराधिक रिकॉर्ड वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी; पुलिस ने 13 FIR दर्ज कीं

दिल्ली सरकार ने कहा- CJP प्रदर्शनकारियों पर एक्शन नहीं होगा

»नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने छात्र आंदोलन हिंसा और झड़प में 13 FIR दर्ज की हैं।

सरकार के आदेश के अनुसार, जिन लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, उन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने कहा कि जिन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

अबतक 4 राज्य सरकारें NEET-UG 2026 पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले और FIR वापस लेने की घोषणा कर चुकी हैं। इनमें असम, बिहार, महाराष्ट्र और दिल्ली शामिल हैं। दिल्ली पुलिस फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (FCR) के जरिए जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट करने वालों की पहचान की। दिल्ली पुलिस की जांच में दावा किया गया है कि जांच में 2,873 लोगों का वैरिफिकेशन हुआ। इनमें से 989 पर हत्या, डकैती, लूट, रेप से जुड़े मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक जांच

में 101 लोग हत्या, 62 हत्या के प्रयास, 284 लूट-डकैती, 229 आर्म्स एक्ट, 135 स्नैचिंग, 19 अपहरण और 67 NDPS एक्ट से जुड़े मामलों में आरोपी पाए गए। इसके अलावा 61 लोगों के खिलाफ रेप, 25 के खिलाफ महिलाओं से छेड़छाड़ और 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामले दर्ज पाए गए।

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि वह हालात पर कड़ी नजर रख रही है। साथ ही किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं।

पेपर लीक के विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, दिल्ली सरकार ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के 28 जुलाई के आदेश के अनुसार, यह नियम उन लोगों पर लागू नहीं होगा जिनका पहले से ही आपराधिक रिकॉर्ड है।

सरकार की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि पुलिस ने 29 जुलाई की शाम तक विरोध प्रदर्शनों के संबंध में 13 मामले दर्ज किए हैं।

सरकार ने कहा कि सभी गिरफ्तारियों और हिरासत की समीक्षा की जाएगी। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इस मामले को बंद मानकर रिहाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरकार ने कहा कि यह निर्णय दिल्ली के उपराज्यपाल की मंजूरी से जारी किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं :दिल्ली सरकार को आदेश

केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे

»नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए।

वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात RAF के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी। कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे।।

इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। दावा किया गया कि छात्रों पर पैलेट गन भी चलाई गई। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि अमित शाह ने छात्रों पर फायरिंग और पैलेट गन चलाने का आदेश दिया। एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई।

राहुल गांधी ने 24 जुलाई को अपने आवास 10 जनपथ पर संसद मार्च में घायल स्टूडेंट के हाथ, पीठ और छाती में लगे घाव दिखाए। उन्होंने कहा, 'मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था।' वहीं राहुल गांधी के आरोपों को भाजपा ने संसद में और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खारिज किया। सरकार ने कहा कि संसद मार्च में गोली नहीं चली। मंत्री फायरिंग का आदेश नहीं दे सकता। यह अधिकार मजिस्ट्रेट का होता है।

MP, गुजरात, यूपी-बिहार समेत 16 राज्यों में भारी बारिश :उत्तराखंड में लैंडस्लाइड

घरों में मलबा घुसा, गाड़ियां बही; असम में बाढ़ से अब तक 78 की मौत

»भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना

देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत 16 राज्यों में भारी बारिश हो रही है। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में रेड अलर्ट है। रेड अलर्ट का मतलब है 24 घंटे में 204mm से ज्यादा बारिश।

उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास लैंडस्लाइड होने से केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन बंद है। इसके बाद कई घरों में मलबा घुस गया, गाड़ियां बह गईं। पहाड़ी-मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। गंगाजल भरने गए कांवड़िये को

SDRF टीम ने बहने से बचा लिया।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है और तीन लाख से ज्यादा लोग अभी भी जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।

तमिलनाडु सरकार ने 2026 में अल नीनो (El Nino) की संभावना को देखते हुए इसके वैज्ञानिक प्रभावों के आकलन और आपदा प्रबंधन उपायों की सिफारिश के लिए एक विशेषज्ञ सलाहकार समिति के गठन की घोषणा की है।

जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, तटीय संसाधन और शहरी बुनियादी ढांचे के विशेषज्ञों की यह समिति तमिलनाडु आपदा जोखिम न्यूनीकरण एजेंसी (TNDRRA) को सलाह देगी। इ

स अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कम बारिश होने से कावेरी नदी के जलप्रवाह और सिंचाई सुविधाओं पर असर पड़ सकता है, जबकि उत्तर-पूर्वी मानसून के समय भारी बारिश और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं का खतरा बना रहेगा, जिससे निपटने के लिए सरकार पूर्व-तैयारियां कर रही है।

संभावित भारी वर्षा को देखते हुए नागरिक सतर्क रहें और प्रशासन की आधिकारिक सलाह का पालन करें : जिला पुलिस प्रमुख राजेश गढ़िया

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

सूरत, गुरुवार : आगामी दो दिनों के दौरान संभावित भारी वर्षा की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी नागरिकों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए जिला पुलिस प्रमुख श्री राजेश गढ़िया ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क एवं सावधान रहें तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक निर्देशों का पूरी तरह पालन करें।

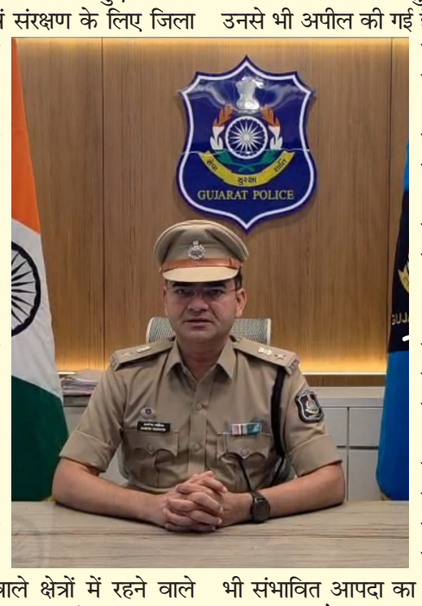

श्री गढ़िया ने कहा कि जब तक भारी वर्षा जारी रहे, तब तक अत्यंत आवश्यक कार्य के अलावा घर से बाहर निकलने से बचें। विशेष रूप से नदियों के किनारे, नदी तटों तथा उन निचले क्षेत्रों में जाने से परहेज करें, जहां अक्सर जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा निचले और जोखिम वाले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थलों की व्यवस्था की गई है। ऐसे क्षेत्रों के निवासियों से समय रहते सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित होने का अनुरोध किया गया है।

जिन नागरिकों के पशु निचले क्षेत्रों में बंधे हुए हैं, उनसे भी अपील की गई है कि वे स्थानीय मामलतदार तथा संबंधित पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक (पी. आई.) से संपर्क कर अपने पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था करें।

उन्होंने कहा कि नागरिकों की सहायता के लिए जिला प्रशासन द्वारा एसडीआरएफ (SDRF), एनडीआरएफ (NDRF), पुलिस बल तथा अन्य आवश्यक संसाधनों को पूरी तरह तैयार रखा गया है।

श्री गढ़िया ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस विभाग नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं तथा जनसहयोग से ही किसी भी संभावित आपदा का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। इसलिए सभी नागरिक प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

'विचारों का वावेतर' कार्यक्रम में डॉ. बालुभाई शेलडिया द्वारा रचित 'धर्मयामृतम्' पुस्तक का भी विशेष विमोचन

»रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज (SPSS), सूरत द्वारा आयोजित 170वें 'विचारों का वावेतर – Thursday's Thought' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जूनागढ़ के कर्मठ सेवानिवृत्त आचार्य, गांधीजी एवं भगवद्गीता विषय के चिंतनशील लेखक डॉ. बालुभाई शेलडिया उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. बालुभाई शेलडिया ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि, "भगवद्गीता विश्व का सर्वोत्तम मनोविज्ञान है।" उन्होंने भगवद्गीता के जीवन मूल्यों एवं आध्यात्मिक विचारों के माध्यम से जीवन में शांति, स्थिरता और प्रसन्नता प्राप्त करने के मार्ग पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में श्री कंजीभाई भालाला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, "परमात्मा किसी को दुःख नहीं देते, बल्कि दुःख का सामना करने की शक्ति प्रदान करते हैं।" उन्होंने जीवन की कठिनाइयों को साहस और सकारात्मक सोच के साथ स्वीकार करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं 'धबकार' के संपादक श्री नरेशभाई वरिया का सम्मान किया गया। साथ ही, जामनगर जिले के कालावड़ गांव की कु. कृति विनोदभाई कोटडिया के CISF में चयन होने पर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी

गई। कार्यक्रम के दौरान गत सप्ताह का 'गुरुवार का विचार' श्री राजुभाई गौदाणी द्वारा प्रस्तुत किया गया। पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाएं SPSS युवा टीम द्वारा संभाली गईं, जबकि कार्यक्रम का सफल समन्वय श्री हार्दिकभाई चांचड़ तथा रियल नेटवर्क के श्री अंकितभाई सुराणी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ. बालुभाई शेलडिया द्वारा रचित 'धर्मयामृतम्' पुस्तक का विमोचन श्री नरेशभाई वरिया के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह पुस्तक बुक बाम पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित की गई है। पुस्तक प्राप्त करने के इच्छुक पाठक 92651 41412 पर संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने कहा कि 'विचारों का वावेतर' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक विचारधारा, आध्यात्मिकता और जीवन मूल्यों का निरंतर संवर्धन करने का एक सतत प्रयास है। प्रत्येक गुरुवार आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिज्ञासु एवं विचारप्रेमी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं।

संपादकीय

अभद्रता के महिमामंडन की कोशिश

गाली इन दिनों राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। जंतर-मंतर पर प्रधानमंत्री मोदी को लेकर दी गईं खुलेआम गंदी गालियां इसका बहाना बनी है। हैरत की बात है कि इसमें कई प्रोफेसर और पत्रकार भी शामिल हो गए हैं और इन गालियों को उचित ठहराने की दौड़ का हिस्सा बन गए हैं। इसे लड़कियों की क्रांतिकारी अभिव्यक्ति बताया जा रहा है तो कई गालीबाजों को नई गालियां रचने का सुझाव दिया जा रहा है।

उनके हिसाब से सारी गालियां पुरुषों द्वारा रची गई हैं, लिहाजा लड़कियों को नई तरह की गालियों की रचना करनी चाहिए। समाज का एक बड़ा तबका इसका विरोध भी कर रहा है। उसका कहना है कि गालियां भले ही समाज में सदा से चली आ रही हैं, लेकिन कम से कम उनकी सार्वजनिक स्वीकृति नहीं रही है।

गालियों के समर्थकों में सबसे बड़ी संख्या खुद को क्रांतिकारी मानने वाले वामपंथी हैं। प्रगतिशील लेखक संघ भारत में वामपंथी विचारधारा के लिहाज से गठित हुआ था। उसके पहले अध्यक्ष उपन्यास सम्राट प्रेमचंद थे। गाली विमर्श के संदर्भ में प्रेमचंद ने लिखा है, 'हर जाति के बोलचाल का ढंग उसकी नैतिक स्थिति का पता देता है। अगर इस दृष्टि से देखा जाए तो हिंदुस्तान सारी दुनिया की तमाम जातियों में सबसे नीचे नजर आएगा।

बोलचाल की गंभीरता और सुथरापन जाति की महानता और उसकी नैतिक पवित्रता को व्यक्त करती है और बदजुबानी नैतिक अंधकार और जाति के पतन का पक्का प्रमाण है। जितने गंदे शब्द हमारी जबान से निकलते हैं, शायद ही किसी सभ्य जाति की जबान से निकलते हों।'

इसमें दो राय नहीं कि हर सफल आंदोलन के बाद आंदोलनकारी नायक और विजेता के रूप में उभरते हैं। इस लिहाज से काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के नेता जंतर-मंतर आंदोलन के फिलहाल के विजेता तो हैं हीं। इस तर्क से उनका साथ देने वाला समूह भी उसी वर्ग का माना जाएगा। इतिहास हमेशा विजेताओं का ही गुणगान करता है। चूंकि सीजेपी के नेता एक तबके के हीरो हैं, इसलिए उनकी ओर से दी गई गालियों को उनके गुणों के रूप में देखने की कोशिश हो रही है।

तर्क दिया जा रहा है कि भारतीय समाज में शादी-ब्याह और मुंडन-जनेऊ आदि के मौके पर प्यार से गालियां दी जातीं हैं। लिहाजा जंतर-मंतर की गालियां भी उन्हीं गालियों की तरह स्नेह की अभिव्यक्ति हैं, लेकिन क्या सचमुच ऐसा ही है? गालीबाजों का बचाव करने वाले क्या ऐसी ही गालियां अपने ही बच्चों के मुख से अपने ही घरों में सुनना पसंद करेंगे? गंभीरता से विचार करेंगे तो इसका जवाब 'नहीं' है।

हर समाज में गालियां किसी न किसी रूप में रही हैं, लेकिन वे कभी सार्वजनिक स्वीकार्यता और विमर्श का विषय नहीं रही हैं। गालियां कभी यथार्थ नहीं होतीं। हिंदी साहित्य में यथार्थवाद की अभिव्यक्ति के लिए गालियों के प्रयोग की शुरुआत हुई, लेकिन आधुनिक यथार्थवादी चिंतन से पहले के साहित्य में कभी गालियों का प्रयोग नहीं होता दिखता। तर्क दिया जा रहा है कि जेन-जी की यही भाषा है। वे ऐसे ही खुद को अभिव्यक्त करते हैं।

ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या जेन-जी परीक्षा में भी गालियों को अपने जवाब में शामिल करते हैं? और क्या वह स्वीकार्य होगा? सवाल यह भी है कि जो पत्रकार इसका समर्थन कर रहे हैं, क्या वे अपने अखबारों और अपने स्टूडियो में उन गालियों के इस्तेमाल को तैयार होंगे? निश्चित तौर पर इन सभी सवालों का जवाब 'नहीं' में है। फिर यह सवाल क्यों न उठे कि गालियों का महिमामंडन क्यों?

कुछ लोगों का कहना है कि जेन-जी ऐसे ही सोचते हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि समूचे देश का जेन-जी एक जैसा नहीं है। जरूरी नहीं कि दिल्ली और चंडीगढ़ के जेन-जी की तरह मुंबई और बेंगलुरु का जेन-जी भी सोचता हो। जेन-जी का एक हिस्सा भले ही गालियां देने में फख्र महसूस कर रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि अब भी उनका एक बड़ा हिस्सा संस्कारी है और उसे गालियां बकने से परहेज है।

मार्क्सवादी हिंदी लेखक जगदीश्वर चतुर्वेदी ने एक जगह लिखा है कि गालियों को वैध ठहराने की कोशिश पुनरुत्थानवादी सोच की खूबी है। वह पुराने असभ्य रूपों, भाषाई प्रयोगों, आदतों और संस्कारों को बनाए रखता है। मार्क्सवादी राष्ट्रीय विचारधारा को पुनरुत्थानवादी ही मानते हैं, तो क्या मान लें कि गालियों को उचित ठहराने वाले मार्क्सवादी भी अब पुनरुत्थानवादी हो गए हैं? गालियां हमेशा से गलत और असभ्य मानी जाती रही हैं।

महाभारत में शिशुपाल का प्रकरण आता है। उसकी सौ गालियों को श्रीकृष्ण बर्दाश्त करते हैं, लेकिन शिशुपाल जब सौ की सीमा पार करता है तो उसका वध कर देते हैं। जाहिर है कि कृष्ण के दौर में भी गालियां असभ्यता की निशानी थीं। उनका महिमामंडन नहीं होता था। मध्यकाल में जरूर गालियों के मुख्यधारा का हिस्सा बनने के संकेत मिलते हैं।

फिर भी उनकी सार्वजनिक स्वीकार्यता नहीं दिखती। ऐसे में प्रश्न यह है कि भारतीय समाज प्रधानमंत्री को सार्वजनिक तौर पर दी जाने वाली गालियों और असभ्यता को क्यों स्वीकार करे? नई पीढ़ी को असभ्य-अभद्र बनाने की प्रक्रिया को बढ़ावा क्यों दिया जाए? सभ्यता के साथ मर्यादित शब्दों में कड़ी से कड़ी आलोचना करने और कठोर बातें बोलने के लिए उन्हें योग्य क्यों न बनाया जाए।

गिफ्ट सिटी आधारित फंड मैनेजमेंट लीडर ने तीन स्तरीय विकास योजना पेश की, जिसमें उत्पाद विस्तार, अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों और नए निवेशक वर्गों को शामिल किया गया है

अर्थ भारत इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स ने तीन वर्षों में एयूएम वृद्धि को दोगुना कर 1.5 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा, वैश्विक विस्तार की रूपरेखा तैयार

»गांधीनगर/मुंबई, 29 जुलाई 2026

अर्थ भारत इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स IFSC LLP, जो कि गिफ्ट सिटी में मुख्यालय वाला अग्रणी फंड मैनेजमेंट संस्थान है, ने आज घोषणा की कि वह अगले तीन वर्षों में अपने प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (AUM) को 750 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर 1.5 बिलियन डॉलर तक दोगुना करेगा। यह घोषणा कंपनी के गिफ्ट सिटी में संचालन शुरू करने की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर की गई।

फंड मैनेजमेंट संस्था, जो विभिन्न एसेट क्लासेस में अलग अलग और अल्फा क्रिएटिंग निवेश अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है, ने तीन स्तरीय विस्तार रणनीति प्रस्तुत की है। यह रणनीति प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार करने, अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत करने और नए भौगोलिक क्षेत्रों व निवेशक श्रेणियों को लक्षित करने पर केंद्रित है।

इन्फोग्राफिक

मुख्य बिंदु

AUM लक्ष्यः अगले तीन वर्षों में प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (AUM) को 750 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर 1.5 बिलियन डॉलर तक दोगुना करने की योजना

प्रोडक्ट विस्तारः दो डॉलर डिनॉमिनेटेड डेट ओरिएंटेड प्रोडक्ट्स, एक कमोडिटी/प्रेशियस मेटल्स आर्बिट्राज फंड और एक ग्लोबल इक्विटी फंड लॉन्च करने की योजना

अंतरराष्ट्रीय विस्तारः मध्य पूर्व में अतिरिक्त ऑफिस और मॉरीशस व सिंगापुर जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में उपस्थिति तलाशने की योजना

घरेलू निवेशक पहुंचः भारतीय निवेशकों के लिए अपने वैश्विक निवेश प्रोडक्ट्स तक पहुंच बढ़ाने की योजना। इसके लिए फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स और बैंकों के माध्यम से निवेशकों को जोड़ा जाएगा। कंपनी इस वर्ष मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता में नए इन्वेस्टर रिलेशन और डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिस खोलेगी।

गिफ्ट सिटी विस्तारः 3,300 वर्ग फुट अतिरिक्त ऑफिस स्पेस जोड़ना, जिसमें 100 लोगों तक की क्षमता होगी

दीर्घकालिक गिफ्ट सिटी प्रतिबद्धताः गिफ्ट सिटी में आगामी शिल्प ट्विन टॉवर में 12,000 वर्ग फुट ऑफिस स्पेस अधिग्रहित करने के लिए समझौता किया गया है।

प्रोडक्ट ट्रैक रिकॉर्डः फंड हाउस के पहले फंड ने अपनी फंड लाइफ के शुरुआती तीन वर्षों में ही निवेशकों को 6X रिटर्न दिया है।

अर्थ भारत इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स की गिफ्ट सिटी में विकास यात्रा

गिफ्ट सिटी में अपनी स्थापना के दो वर्षों के भीतर, अर्थ भारत एक सिंगल फंड प्लेटफॉर्म से बढ़कर छह फंड्स तक पहुँच गया है और अपनी टीम तथा ऑफिस इंफ्रास्ट्रक्चर को उल्लेखनीय रूप से विस्तारित किया है।

"जैसा कि हम अपनी दूसरी वर्षगांठ मना रहे हैं, हमारा उद्यमशील उपक्रम उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है, जबकि यह अभी भी शुरुआती अवस्था में है। हम केवल एक फंड से छह तक पहुँचे हैं, दो लोगों वाले बूटस्ट्रैप्ड स्टार्ट अप से उस संख्या का 10 गुना हो गए हैं, और कोवर्किंग स्पेस में चार सीटर यूनिट से 2,345 वर्ग फुट के ऑफिस तक पहुँचे हैं, जिसमें 60 लोगों के बैठने की क्षमता है," कहा सचिन सावरीकर, मैनेजिंग पार्टनर, अर्थ भारत इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स IFSC LLP।

इस अवधि के दौरान, अर्थ भारत भारत के एकमात्र ऑफशोर वित्तीय सेवाओं केंद्र में काम करने वाली सबसे बड़ी फंड मैनेजमेंट संस्थाओं में से एक

के रूप में उभरा है। कंपनी पहली बनी जिसने थर्ड पार्टी फंड मैनेजमेंट सेवाएँ प्रदान करने का लाइसेंस प्राप्त किया और पहली फंड हाउस बनी जिसने एक फिजिकल कमोडिटी बैक्ड गोल्ड फंड लॉन्च किया।

गिफ्ट सिटी में भविष्य की वृद्धि को समर्थन देने हेतु विस्तार

अपनी अगली विकास यात्रा के हिस्से के रूप में, अर्थ भारत गिफ्ट सिटी में अपने ऑफिस स्पेस का विस्तार कर रहा है। "जैसे ही हम दूसरे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, हम अब टर्बो चार्ज्ड ग्रोथ की तैयारी कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के नियोजित विस्तार को समर्थन देने के लिए हम गिफ्ट सिटी में 2400 वर्ग फुट से अधिक ऑफिस स्पेस को दोगुना कर रहे हैं और अतिरिक्त 3300 वर्ग फुट जोड़ रहे हैं। यह विस्तारित इंफ्रास्ट्रक्चर अगले तीन वर्षों तक हमें अच्छी तरह सेवा देगा, जिसमें 100 लोगों तक की क्षमता होगी," श्री सावरीकर ने कहा। नया ऑफिस स्पेस गिफ्ट सिटी में फ्लेक्सवन की लेवल 5 पर एक प्रतिष्ठित ग्रेड A प्रॉपर्टी में स्थित है।

"हमारी गिफ्ट सिटी के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है और हम इसे क्षेत्र का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं केंद्र बनाने में अपना योगदान देना चाहते हैं। इसी कारण हमने गिफ्ट सिटी में आगामी शिल्प ट्विन टॉवर में 12,000 वर्ग फुट का विशाल ऑफिस स्पेस खरीदने के लिए समझौता किया है, जो आज हम जिस विस्तारित लोकेशन का उद्घाटन कर रहे हैं उससे दोगुना से भी अधिक होगा," श्री सावरीकर ने जोड़ा। यह 28 मंज़िला कमर्शियल ग्रेड A बिल्डिंग सुविधा वर्तमान में निर्माणाधीन है और 2030 तक परिचालन में आने की उम्मीद है।

अर्थ भारत के नए फंड लॉन्च से उत्पाद पोर्टफोलियो दोगुना होगा

अगले दो वर्षों में अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को उल्लेखनीय रूप से विस्तार देने की योजना बना रहा है अर्थ भारत। "हमारे छह फंड्स ने पहले ही एक सराहनीय रिकॉर्ड स्थापित किया है, जिसमें हमारे पहले फंड ने अपनी फंड लाइफ के शुरुआती तीन वर्षों में ही निवेशकों को 6X रिटर्न दिया है। अब हम दो और डॉलर डिनॉमिनेटेड डेट ओरिएंटेड प्रोडक्ट्स लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं, जो नियमित आय अर्जन और अल्पकालिक अधिशेष पार्किंग चाहने वाले निवेशकों के लिए होंगे। इसके अलावा, हम एक कमोडिटी/प्रेशियस मेटल्स आर्बिट्राज फंड और एक ग्लोबल इक्विटी फंड लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं," श्री सावरीकर ने कहा। फंड हाउस एक स्वामित्व वाली क्वांटिटेटिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी भी विकसित कर रहा है, जिसे लॉन्च से पहले बैक टेस्ट और परिष्कृत किया जाएगा। इस मॉडल पर आधारित निवेश योजना पेश करने की तैयारी है। अगले दो वर्षों में प्रस्तावित नए फंड लॉन्च अर्थ भारत के मौजूदा प्रोडक्ट सूट को प्रभावी रूप से दोगुना कर देंगे।

अर्थ भारत ने अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बनाई

अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बढ़ाने की रणनीति के हिस्से के रूप में, अर्थ भारत मध्य पूर्व में अपनी मौजूदगी को और गहराई देने की योजना बना रहा है, जहाँ पहले से ही ओमान और दुबई में इसकी उपस्थिति है। फंड हाउस अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं केंद्रों में भी संचालन स्थापित करने के अवसरों का मूल्यांकन कर रहा है, जिनमें मॉरीशस और सिंगापुर शामिल हैं।

यह विस्तार अर्थ भारत को व्यापक अंतरराष्ट्रीय पूंजी स्रोतों तक पहुँचने और एक प्रमुख वैश्विक फंड मैनेजमेंट प्लेटफ़ॉर्म के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

फंड हाउस भारतीय निवेशकों और नए निवेशक वर्गों को लक्ष्य बना रहा है

अर्थ भारत की विकास रणनीति का तीसरा स्तंभ अपने निवेशक आधार का विस्तार करना है, जिसमें नए भौगोलिक क्षेत्रों और निवेशकों की श्रेणियों को लक्ष्य बनाया जा रहा है।

"अब तक हमारे सभी फंड्स ने भारत के बाहर के निवेशकों से ही पूंजी जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अब हम अपने फंड्स की पहुँच को घरेलू निवेशकों तक लोकतांत्रिक बनाना चाहते हैं। हम भारतीय निवेशकों को विभिन्न एसेट क्लासेज़ में वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच प्रदान करेंगे, हमारे अलग थलग निवेश उत्पादों के माध्यम से जो अल्फ़ा क्रिएशन पर केंद्रित हैं। इसी उद्देश्य से हम कई फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स और बैंकों के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि वे हमारे स्कीम्स को अपने घरेलू ग्राहकों तक पहुँचा सकें," श्री सावरीकर ने कहा।

अर्थ भारत इस आउटरीच को मजबूत करने के लिए मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे मेगा मेट्रो शहरों में इन्वेस्टर रिलेशंस और डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिस खोलने की योजना बना रहा है। इससे अर्थ भारत को भारत के प्रमुख वित्तीय और वेल्थ मैनेजमेंट हब्स में ज़मीनी उपस्थिति मिलेगी, साथ ही मध्य पूर्व, मॉरीशस और सिंगापुर में इसकी अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी भी सुदृढ़ होगी।

भारत में बढ़ते हाई नेट वर्थ और अल्ट्रा हाई नेट वर्थ निवेशकों का पूल फंड मैनेजर्स के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, जो अलग थलग वैश्विक निवेश समाधान पेश कर रहे हैं। हुरुन ग्लोबल सूची में अरबपतियों की संख्या के आधार पर भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है, जहाँ 300 से अधिक अरबपति हैं। इसने देश के वेल्थ मैनेजमेंट इकोसिस्टम की वृद्धि में योगदान दिया है, जिसमें वेल्थ मैनेजर्स का विस्तृत नेटवर्क समृद्ध निवेशकों को उनकी संपत्ति को सुरक्षित रखने और बढ़ाने की रणनीतियों पर सलाह दे रहा है।

अपनी नियोजित प्रोडक्ट लॉन्च, अंतरराष्ट्रीय विस्तार और भारत के बढ़ते समृद्ध ग्राहकों व फैमिली ऑफिसेज़ को लक्ष्य बनाने के साथ, अर्थ भारत इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स का उद्देश्य अलग थलग वैश्विक निवेश अवसरों की बढ़ती मांग का लाभ उठाना है। कंपनी अगले तीन वर्षों में अपने AUM को दोगुना कर 1.5 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखती है।

नई सिविल अस्पताल में ओआरएस एवं विश्व स्तनपान (ब्रेस्टफीडिंग) सप्ताह का आयोजन

ओआरएस सप्ताह के तहत नई सिविल अस्पताल की किडनी बिल्डिंग में पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन

ओआरएस एवं स्तनपान जागरूकता पर उत्कृष्ट पोस्टर बनाने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

सूरत, गुरुवार : ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) तथा स्तनपान (ब्रेस्टफीडिंग) के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष जुलाई माह के अंतिम सप्ताह को ओआरएस सप्ताह तथा अगस्त माह के प्रथम सप्ताह को विश्व स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जाता है।

इसी क्रम में शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से नई सिविल अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पारुल वडगामा के मार्गदर्शन में नई सिविल अस्पताल के बाल रोग विभाग, इंडियन पीडियाट्रिक एसोसिएशन तथा स्टूडेंट नर्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में नई सिविल अस्पताल की किडनी बिल्डिंग में ओआरएस एवं विश्व स्तनपान सप्ताह का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई जनजागरूकता पोस्टर प्रदर्शनी का अतिथियों के हाथों उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर सूरत पीडियाट्रिक एसोसिएशन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. प्रफुल बांभरोलिया ने कहा कि छह माह तक के शिशुओं के लिए ओआरएस और स्तनपान अमृत के समान हैं। यदि छह माह से कम आयु के बच्चे को दस्त या उल्टी होती है तो उसके शरीर से पानी, आवश्यक खनिज, सोडियम और पोटैशियम की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है और शिशु मृत्यु की संभावना भी बढ़ सकती है। ऐसे समय में ओआरएस का सेवन डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्या से बचाने में अत्यंत प्रभावी है।

उन्होंने आगे बताया कि एक चुटकी नमक, एक मुट्ठी चीनी, एक गिलास पानी और थोड़ा-सा नींबू का रस डिहाइड्रेशन से बचाव का एक सरल और प्रभावी घरेलू उपाय है।

उन्होंने कहा कि नवजात शिशु के संपूर्ण विकास और उत्तम स्वास्थ्य के लिए मां का दूध अत्यंत आवश्यक है। जन्म के बाद पहले छह माह तक मां का दूध ही शिशु की सभी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि जन्म के समय शिशु को घुट्टी या शहद देना हानिकारक हो सकता है, इसलिए जन्म के एक घंटे के भीतर ही शिशु को मां का दूध अवश्य पिलाना चाहिए।

ऑल इंडिया ट्रेंड नर्सेस एसोसिएशन (गुजरात) के सचिव इकबाल कड़ीवाला ने कहा कि देशभर में नर्सिंग विद्यार्थी ओआरएस और स्तनपान के महत्व को समाज तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वास्थ्य शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने में डॉक्टरों के साथ नर्सिंग विद्यार्थी और नर्सिंग स्टाफ एक मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि नर्स सेवा, समर्पण और परिश्रम का प्रतीक है तथा गुणवत्तापूर्ण और संवेदनशील नर्सिंग सेवाओं के माध्यम से समाज के स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से जनजागरूकता बढ़ेगी, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी और स्वस्थ समाज के निर्माण को बल मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग विद्यार्थियों ने ओआरएस एवं स्तनपान जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों में से सर्वश्रेष्ठ पोस्टर निर्माताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर सूरत पीडियाट्रिक चैरिटेबल ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कारिया, नर्सिंग कॉलेज की उप-प्राचार्य स्मितलबेन चौधरी, डीआईसी के डॉ. संदेश महिपाल एवं डॉ. हर्षिता, नर्सिंग कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. संगीता त्रिवेदी, प्रो. सोनलबेन पंड्या, अमर मुल्ला सहित चिकित्सक, हेड नर्स, स्टाफ नर्स तथा बड़ी संख्या में नर्सिंग विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दस्त और उल्टी से बचाव के उपाय

* जन्म से छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध पिलाएं।
* बोतल से दूध न दें।
* केवल उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी ही उपयोग करें।
* खुले में बिकने वाले एवं बासी भोजन का सेवन न करें।
* भोजन से पहले तथा शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएं।
* शिशु को रोटावायरस का टीका अवश्य लगवाएं।

शिशु के लिए स्तनपान के लाभ

मां का दूध शिशु को अनेक बीमारियों से बचाने में सहायक होता है। इसमें वसा, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट, एंजाइम तथा खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह सबसे पौष्टिक आहार है और आसानी से पच जाता है। स्तनपान शिशु के मस्तिष्क के विकास में सहायक होता है तथा उसकी बुद्धिमत्ता (आईक्यू) बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्तनपान के दौरान ध्यान रखने योग्य बातें

* स्तनपान कराने से पहले मां को अपने हाथ साबुन से अच्छी तरह धोने चाहिए।
* प्रत्येक बार स्तनों और निप्पल की भी अच्छी तरह सफाई करनी चाहिए।
* लेटकर स्तनपान कराना अत्यंत जोखिमपूर्ण है। यदि मां को नींद आ जाए तो शिशु के दबने या दम घुटने का खतरा रहता है।
* रात में भी आवश्यकता होने पर बैठकर ही शिशु को स्तनपान कराएं।
* स्तनपान से पहले यदि मां पानी, दूध या फलों का रस जैसे तरल पदार्थ लेती है तो दूध का उत्पादन बढ़ता है।
* स्तनपान कराने वाली माताओं को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेना चाहिए।
* स्तनपान कराते समय पूरा ध्यान केवल शिशु पर होना चाहिए।
* स्तनपान के दौरान मोबाइल फोन पर बात करना, टीवी देखना या पुस्तक पढ़ना उचित नहीं है, क्योंकि इससे दुर्घटना की संभावना बढ़ सकती है।
* प्रत्येक बार स्तनपान कराने के बाद शिशु को 5 से 10 मिनट तक कंधे पर सीधा रखकर हल्के से उसकी पीठ थपथपाएं। डकार आने के बाद ही उसे सुलाएं, जिससे उल्टी की संभावना कम रहती है।

31 जुलाई को गुजरात में भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनीः मौसम विभाग ने विभिन्न जिलों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया

सूरत जिले में रेड अलर्ट, तेज़ हवाएं चलने की भी संभावना

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

सूरत, गुरुवार : भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा जारी नवीनतम मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 31 जुलाई को गुजरात के मध्य एवं दक्षिण गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में भारी से अति भारी तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन द्वारा विभिन्न जिलों के लिए मौसम संबंधी चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग ने सूरत सहित अहमदाबाद, खेड़ा, आनंद, वडोदरा,

भरूच, नर्मदा, तापी और डांग जिलों के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है। इस दौरान तेज़ हवाएं चलने की भी संभावना व्यक्त की गई है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें, मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा भारी वर्षा और तेज़ हवाओं को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतें।

मन को परम आनंद में रखना ही शाश्वत समस्याओं का वास्तविक समाधान है – थर्सडे थॉट

"परमात्मा किसी को दुःख नहीं देते, बल्कि दुःखों से लड़ने की शक्ति देते हैं।" : कंजीभाई भालाला

"भगवद्गीता विश्व का सर्वोत्तम मनोविज्ञान है।" – डॉ. बालुभाई शेलडिया : सीआईएसएफ में चयनित कु. कृति कोटडिया का सम्मान

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

सूरत स्थित श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा आयोजित 170वें "विचारों का वावेतर" (विचारों का बीजारोपण) कार्यक्रम में कंजीभाई भालाला ने कहा कि मनुष्य शाश्वत समस्याओं से दुखी रहता है। ऐसी समस्याओं के समाधान की दिशा और सकारात्मक चिंतन देने के उद्देश्य से समाज द्वारा नियमित रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने कहा कि समस्याओं का कभी अंत नहीं होता। परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं, लेकिन मनुष्य की मूल समस्याएँ—भय, क्रोध, चिंता, अहंकार, मोह, आसक्ति, संबंधों में तनाव तथा मृत्यु का भय—हमेशा बनी रहती हैं। इन्हीं कारणों से मन अशांत रहता है। जब तक मन शांत नहीं होगा, तब तक परम आनंद की अनुभूति संभव नहीं है।

कंजीभाई भालाला ने कहा कि मन के भीतर अशांति का तूफान चलता रहता है और यही अशांति परमात्मा अर्थात् परम चेतना से जुड़ने में सबसे बड़ी बाधा बनती है। उन्होंने कहा कि मन को परम आनंद में रखना ही

शाश्वत समस्याओं का वास्तविक समाधान है।

उन्होंने एक प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि किसी ने भगवान से पूछा, "प्रभु, आप मुझे दुःख क्यों देते हैं?" तब भगवान ने उत्तर दिया, "मैं किसी को दुःख नहीं देता, बल्कि दुःखों और समस्याओं का सामना करने की शक्ति देता हूँ। जिसकी जैसी भक्ति होती है, उसे वैसी ही शक्ति प्राप्त होती है।"

उन्होंने कहा कि परमात्मा कभी किसी को दुःख नहीं देते, बल्कि हर परिस्थिति से लड़ने का सामर्थ्य प्रदान करते हैं।

उन्होंने बताया कि शाश्वत समस्याओं के समाधान के लिए भगवद्गीता के 12वें अध्याय 'भक्ति योग' में भक्त के गुणों का विस्तृत वर्णन किया गया है, जो परमात्मा को प्राप्त करने का मार्ग भी है।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले व्यक्ति को स्वयं को केवल शरीर या मन नहीं, बल्कि आत्मा के रूप में पहचानना चाहिए। कर्म अवश्य करें, लेकिन उसके परिणाम की चिंता न करें। समत्व भाव अपनाएँ, मोह और आसक्ति का त्याग करें, क्रोध एवं इच्छाओं पर नियंत्रण रखें तथा भक्ति, समर्पण और सेवा का भाव विकसित करें। यही गुण मनुष्य को परम आनंद की स्थिति तक पहुँचा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आत्मा ही परमात्मा का अंश है और यही जागरूकता जीवन को नई दिशा देती है। समस्याएँ बाहर नहीं, बल्कि मन की स्थिति में होती हैं। एक ही परिस्थिति किसी को सामान्य लगती है तो किसी दूसरे को पहाड़ जैसी कठिन। इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य अपनी मानसिक स्थिति को सुदृढ़ बनाए और आत्मानंद में रहने का प्रयास करे।

निजानंद पंचामृत

1. हमेशा प्रसन्न रहें।
2. समत्व भाव विकसित करें।
3. साक्षी भाव से जीवन जिएँ।
4. समर्पण और सेवा का भाव रखें।
5. मौन रहें और अपने मन से संवाद करें।

"भगवद्गीता विश्व का सर्वोत्तम मनोविज्ञान है" – डॉ. बालुभाई शेलडिया

जूनागढ़ कॉलेज के कर्मठ सेवानिवृत्त प्राचार्य, गांधीजी एवं भगवद्गीता पर चिंतनशील लेखन करने वाले लेखक डॉ. बालुभाई शेलडिया ने "शाश्वत समस्याओं का शाश्वत समाधान" विषय पर भगवद्गीता के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण केवल आध्यात्मिक गुरु ही नहीं, बल्कि मानव मन के गहन रहस्यों को समझने वाले विश्व के महानतम मनोवैज्ञानिक भी हैं। भगवद्गीता विश्व का सर्वोत्तम मनोविज्ञान है।

उन्होंने कहा कि धर्म और आध्यात्मिकता का वास्तविक महत्व तभी है, जब वे जीवन की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करें। सम्पूर्ण मानवता का एक ही सच्चा धर्म है—मानवता। कर्म, विचार और वृत्ति जीवन के तीन प्रमुख आधार स्तंभ हैं। मनुष्य की वृत्ति ही प्रत्येक समस्या की वास्तविक जननी है। जब तक वृत्ति में परिवर्तन नहीं होगा, तब तक बाहरी परिवर्तन से जीवन में वास्तविक बदलाव संभव नहीं है।

उन्होंने भगवद्गीता के 12वें अध्याय 'भक्ति योग' का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भगवद्गीता हमें समस्याओं के बीच भी स्थिर, शांत और प्रसन्न रहकर जीवन जीने की कला सिखाती है।

सीआईएसएफ में चयनित कु. कृति कोटडिया का सम्मान

जामनगर जिले के कालावड़ तालुका के खान खोरड़ा गाँव के किसान की पुत्री कु. कृति विनोदभाई कोटडिया का चयन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) में हुआ है। इस उपलब्धि पर श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज, सूरत द्वारा उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष गुजरात से केवल तीन बेटियों का चयन सीआईएसएफ में हुआ है।

कार्यक्रम में पिछले सप्ताह का "थर्सडे थॉट" राजुभाई गौदानी ने प्रस्तुत किया, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय हार्दिक चांचड़ और अंकित सुराणी ने किया।

सूरत के महाराजा कृष्णकुमारसिंहजी स्कूल के प्रिंसिपल चेतन हिरपारा को 'संदीपनी गुरु गौरव अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया

सूरत से चुने गए चेतनभाई हिरपारा शिक्षा के रास्ते के लिए एक प्रेरणा हैं

गुरु पूर्णिमा के मौके पर पोरबंदर में संदीपनी विद्यानिकेतन द्वारा आयोजित 'गुरु गौरव अवॉर्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी-2026' में, भागवत कथाकार पूज्य रमेशभाई ओझा (पूज्य भाईश्री) की अध्यक्षता में और गुजरात के शिक्षकों की प्रेरणा देने वाली मौजूदगी में, सूरत के चेतनभाई धीरूभाई हिरपारा को गुरु गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और उनकी प्रेरणा देने वाली सेवाओं की सराहना की गई।

इस मौके पर, पूज्य भाईश्री ने राज्य के अलग-अलग जिलों के स्कूलों में बेहतरीन काम करने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में गौरवपूर्ण योगदान देने वाले और राज्य की विकास यात्रा को गौरवान्वित करने वाले शिक्षकों और प्रिंसिपलों को मोमेंटो, सर्टिफिकेट और अवॉर्ड देकर सम्मानित किया।

चेतनभाई हिरपारा अभी सूरत शहर के उत्तरान इलाके में महाराजा कृष्णकुमारसिंहजी प्राइमरी स्कूल, स्कूल नंबर 334 में प्रिंसिपल हैं। इस स्कूल के साथ-साथ, श्री प्रमुख स्वामी महाराज प्राइमरी स्कूल नंबर 346 और लता मंगेशकर प्राइमरी स्कूल नंबर 355 भी 'महाराजा कैंपस' नाम के कॉम्प्लेक्स में हैं। इस कैंपस में लगभग 4000 स्टूडेंट्स पढ़ते हैं। यहां समाज के अमीर लोगों, सरकारी अधिकारियों, प्रिंसिपल, टीचर, इंजीनियर, डॉक्टर, वकील के साथ-साथ आर्थिक रूप से मध्यम और बहुत कम इनकम वाले माता-पिता के बच्चे भी पढ़ते हैं। सामाजिक मेलजोल का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है?

इस कैंपस के स्टूडेंट्स अपनी एकेडमिक परीक्षाओं के साथ-साथ सरकार और अलग-अलग ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा आयोजित अलग-अलग नॉलेज और स्किल डेवलपमेंट परीक्षाओं जैसे CET, PSE, NMMS, CGMS, जनरल नॉलेज कॉम्पिटिशन, पेंटिंग कॉम्पिटिशन, चेस कॉम्पिटिशन, गरबा कॉम्पिटिशन, सिंगिंग कॉम्पिटिशन, म्यूज़िक कॉम्पिटिशन वगैरह में शानदार कामयाबी हासिल करते हैं।

यहां चल रहे अलग-अलग प्रोजेक्ट बहुत इंस्पायरिंग हैं। इस स्कूल की खास बात यहां के पेरेंट्स हैं जो बच्चों के विकास के लिए लगातार कोशिश करते हैं और सभी प्रोग्राम में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं। विद्यारंभ संस्कार के तहत, बालवाटिका और पहली क्लास में आने वाले स्टूडेंट्स के पेरेंट्स का धार्मिक ग्रंथ लेकर जुलूस निकाला जाता है। पेरेंट्स में यह जागरूकता पैदा की गई है कि वे नाश्ते में जंक फूड न लाएं ताकि स्टूडेंट्स कुपोषित न रहें। स्कूल के सभी बच्चे श्लोक गाकर मिड-डे मील का फायदा उठाते हैं। चूंकि इतनी बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स खाने का फायदा उठाते हैं, इसलिए मातृवात्सल्य स्कीम के तहत, पेरेंट्स अपनी मर्ज़ी से स्कूल में खाना परोसने की सर्विस देते हैं और अपना समय देते हैं।

कैंपस में सुदामा साइकिल स्कीम, स्वेटर संजीवनी स्कीम, मुष्टिधन स्कीम जैसे प्रोजेक्ट बच्चों में देश के लिए नैतिकता और सुशासन की भावना पैदा करते हैं। बड़ों का सम्मान पक्का करने के लिए एल्डर्स यूनियन जैसे प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। आज के समय में जब बच्चे मोबाइल फोन में बिज़ी रहते हैं, तो उन्हें इस लत से दूर रखने के लिए बालगोकुलम स्कीम के ज़रिए स्कूल पेरेंट्स को स्पोर्ट्स ट्रेनिंग दी जाती है। ये ट्रेंड मांएं सोसायटी के बच्चों के लिए सही समय पर अलग-अलग गेम खेलती हैं। कैंपस के करीब 4000 स्टूडेंट्स सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सहयोग से मिले बड़े ग्राउंड में स्पोर्ट्स का फायदा उठा रहे हैं। आज इस फील्ड में नेचुरल फार्मिंग, किचन गार्डन और कई मेडिसिनल पौधे उगाए जा रहे हैं।

साल 2026 में, चेतनभाई हिरपारा को राज्य सरकार से चीफ मिनिस्टर बेस्ट प्रिंसिपल अवॉर्ड मिला।

साल 2024 में, चेतनभाई ने NIEPA - नई दिल्ली द्वारा नेशनल लेवल पर ऑर्गनाइज़ किए गए 'नेशनल कॉन्फ्रेंस फॉर सेलिब्रेटिंग स्कूल लीडरशिप' सेमिनार में 'ए केस स्टडी ऑन ट्रांसफॉर्मिंग गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल थ्रू कम्युनिटी सपोर्ट एंड टीम वर्क' प्रेज़ेंट किया और पूरे भारत में 'गवर्नमेंट स्कूल - 'इफेक्टिव स्कूल'' दिखाया। वे एजुकेशन, हेल्थ, आर्ट, नेचुरल फार्मिंग, लाइब्रेरी एक्टिविटी और सोशल अपलिफ्टमेंट के फील्ड में अलग-अलग सर्विस एक्टिविटी में एक्टिव रूप से योगदान दे रहे हैं।

देशभर में 'प्राकृतिक कृषि मॉल' स्थापित करने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की राज्यसभा में सूरत के सांसद गोविंदभाई ढोलकिया की मांग

ऑर्गेनिक एवं प्राकृतिक उत्पादों के डिजिटल प्रमाणीकरण तथा त्वरित गुणवत्ता जांच के लिए रैपिड टेस्टिंग सुविधा विकसित करने की मांग

»रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

सूरत, गुरुवार: देश में प्राकृतिक खेती के इको-सिस्टम को और अधिक सशक्त बनाने तथा प्राकृतिक कृषि उत्पादों के विपणन को गति देने के उद्देश्य से सूरत के राज्यसभा सांसद श्री गोविंदभाई ढोलकिया ने राज्यसभा में महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने देश के प्रमुख शहरों में 'प्राकृतिक कृषि मॉल' स्थापित करने अथवा बड़े सुपरमार्केट में प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक उत्पादों के लिए विशेष बिक्री केंद्र शुरू करने की मांग की, जहां उपभोक्ताओं को रैपिड टेस्टिंग और डिजिटल सर्टिफिकेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उनका कहना था कि ऐसे प्राकृतिक कृषि मॉल किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने, उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्यसभा में अपने संबोधन के दौरान सांसद श्री ढोलकिया ने कहा कि प्राकृतिक खेती आज स्वस्थ भारत, समृद्ध किसान और सुरक्षित पर्यावरण की दिशा में एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा

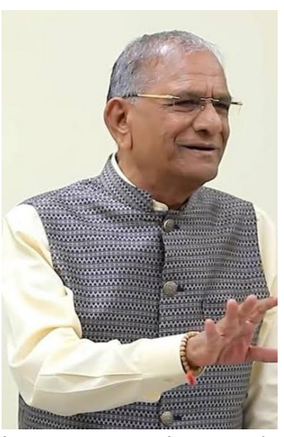

नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (NMNF) के माध्यम से प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिसके अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), अहमदाबाद के वैज्ञानिकों ने एक नवीन रैपिड टेस्टिंग तकनीक विकसित की है। इस तकनीक की सहायता से फल, सब्जियां, अनाज तथा अन्य कृषि उत्पादों की गुणवत्ता की जांच कुछ ही सेकंड में और बहुत कम लागत पर संभव हो सकेगी। यह तकनीक प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक उत्पादों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

ISRO द्वारा विकसित रैपिड टेस्टिंग तकनीक कुछ ही सेकंड में ऑर्गेनिक उत्पादों की प्रामाणिकता की जांच करने में होगी सहायक : सांसद गोविंदभाई ढोलकिया

त्वरित प्रमाणन प्रणाली के अभाव को दूर करने पर दिया जोर

सांसद श्री ढोलकिया ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को आज भी अपने उत्पादों का उचित मूल्य प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण तेज़ और विश्वसनीय सर्टिफिकेशन प्रणाली का अभाव है। दूसरी ओर, उपभोक्ताओं के लिए भी यह सुनिश्चित करना कठिन होता है कि वे जो उत्पाद खरीद रहे हैं, वह वास्तव में 100 प्रतिशत प्राकृतिक अथवा ऑर्गेनिक है या नहीं।

क्या है राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF)?

केंद्र सरकार द्वारा नवंबर-2024 में प्रारंभ किया गया राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF) एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देना, भूमि की उर्वरता बनाए रखना तथा किसानों की खेती की लागत कम करना है। यह मिशन पूरी तरह देशी गाय आधारित खेती, बीजामृत, जीवामृत तथा मल्चिंग जैसी पारंपरिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों पर आधारित है।

इस मिशन के तहत 7.5 लाख हेक्टेयर भूमि को शामिल करना, 15,000 क्लस्टर विकसित करना तथा 1 करोड़ किसानों को जोड़ना लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को दो वर्षों तक प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 4,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

सुडावड खोडियार धाम में श्रद्धा के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

संतों, समाज के गणमान्य लोगों, पत्रकारों और सेवाभावी समुदाय की उपस्थिति

»सी. वी. जोशी विसावदर

विसावदर के पास सुडावड गाँव में खोडियार मंदिर के प्रांगण में स्थित पूज्य बाबूदासबापू के समाधि स्थल पर गुरु पूर्णिमा का उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया।

वर्तमान गादीपति महंत पूज्य जिग्नेशबापू, संतों और सेवाभावी लोगों की उपस्थिति में, विद्वान शास्त्री जयेशदादा ने ऊँचे स्वर में श्लोक और मंत्रों का पाठ किया। उन्होंने शास्त्रोक्त रीति-रिवाजों के अनुसार अबील, गुलाल, चावल और फूल अर्पित किए तथा भव्य आरती की। सभी ने अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

इसके बाद, बड़ी संख्या में उपस्थित संतों, मेहमानों और ग्रामीणों ने समाधि स्थल पर फूल चढ़ाए और गुरु पूजा की। बाद में, वे अपनी गुरु-भक्ति व्यक्त

करने के लिए सभा भवन में एकत्रित हुए। सबसे पहले, मंदिर के कोठारी-सह-प्रबंधक करसनभाई भगत ने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों का मौखिक स्वागत किया। साथ ही, उन्होंने सभी को मंदिर में साल भर होने वाली सेवा गतिविधियों और आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

बाद में, मंदिर के महंत पूज्य जिग्नेश बापू ने फूलों की माला और शॉल भेंटकर सभी संतों का सम्मान किया। फिर, संतों ने रामायण, महाभारत और गीताजी के उदाहरणों के माध्यम से उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में उपस्थित मेहमानों - रमणिकभाई दुधात्रा, घनश्यामभाई सावलिया, भरतभाई कोटडिया, उकाभाई पटोडिया, स्टेज कलाकार कांतिभाई प्रजापति और वरिष्ठ पत्रकार सी.वी.जोशी - ने अपने संबोधन में गुरु की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गुरु जन्म नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाते हैं। गुरु व्यक्ति को सही रास्ते पर चलना सिखाते हैं। गुरु के बिना ज्ञान नहीं, ज्ञान के बिना प्रकाश नहीं, और प्रकाश के बिना जीवन का सच्चा विकास संभव नहीं है। सच्चे संत कभी नहीं जाते। वे हमेशा अपनी परंपराओं, कामों और आशीर्वादों के रूप में जीवित रहते हैं। गुरु व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। गुरु अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए जीते हैं। जन्म देने वाली माँ ही सबसे बड़ी गुरु होती है; चाहे वह पढ़ी-लिखी हो या अनपढ़, माँ ही दुनिया का ज़रूरी ज्ञान देती है। आज गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन पर, हम न केवल गुरु की पूजा करेंगे, बल्कि उनके उपदेशों को अपने जीवन में भी अपनाएंगे। इस अवसर पर उपयुक्त भाषण दिए गए। इस पवित्र दिन पर जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि विपुलभाई कावाणी, पुरुषोत्तमभाई कुंडलिया (कुकावाव), पत्रकार कौशिकपुरी गोस्वामी, पूनाभाई पानसुरिया, के.एस. ठुंमर, दानदाता, आमंत्रित अतिथि और बड़ी संख्या में माताएँ, बुज़ुर्ग, भाई-बहन, युवा और बच्चे मौजूद थे।

भारी वर्षा के रेड अलर्ट के मद्देनज़र रेस्क्यू टीमें अलर्ट पर, प्रत्येक फायर स्टेशन पर आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ दमकलकर्मी तैनात

एहतियात के तौर पर उधना ज़ोन-बी के निचले इलाकों के नागरिकों को डोर-टू-डोर वाहनों के माध्यम से किया जा रहा है जागरूक

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

सूरत, गुरुवार : 31 जुलाई एवं 1 अगस्त को सूरत शहर में भारी वर्षा तथा तेज़ हवाओं की मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी को देखते हुए सूरत महानगरपालिका (SMC) ने संभावित आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

संभावित भारी वर्षा के दौरान पेड़ों के गिरने अथवा किसी भी प्रकार की आपातकालीन रेस्क्यू कॉल का त्वरित जवाब देने के लिए शहर के प्रत्येक फायर स्टेशन पर आवश्यक बचाव उपकरणों से सुसज्जित एक-एक विशेष रेस्क्यू टीम तथा प्रशिक्षित दमकलकर्मियों को तैनात रखा गया है।

इसके अलावा, सूरत महानगरपालिका द्वारा उधना ज़ोन-बी के जलभराव एवं निचले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए डोर-टू-डोर प्रचार वाहन चलाए जा रहे हैं। इन वाहनों के माध्यम से लोगों से अपील की जा रही है कि आवश्यकता पड़ने पर वे निकटतम निर्धारित राहत केंद्रों में सुरक्षित रूप से पहुंचें तथा प्रशासन द्वारा जारी सभी निर्देशों का पालन करें।

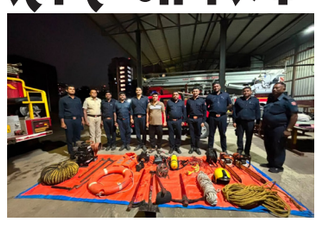

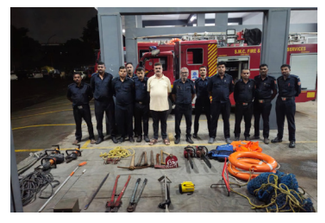

कृति सेनन ने जताई पैन इंडिया स्टार के साथ काम करने की ख्वाहिश

राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकीं कृति सेनन इस समय अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में हैं। क्रू, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, दो पत्ती, मिमी और कॉकटेल 2 जैसी लगातार हिट फिल्मों के बाद कृति ने साबित किया है कि वह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद एक्ट्रेसेस में से एक हैं। कृति सेनन ने सिर्फ हिट फिल्में ही नहीं दीं, बल्कि अपनी एक्टिंग से भी लोगों का दिल जीता है।

अलग-अलग तरह की फिल्मों में काम कर रहीं कृति ने हाल ही में उस एक्टर का नाम बताया, जिसके साथ वह काम करना चाहती हैं। तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, मैं जरूर अल्लू अर्जुन के साथ काम करना चाहूंगी। मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छे एक्टर हैं। मुझे पुष्पा में उनका काम बहुत पसंद आया। उनकी दूसरी फिल्में भी मुझे पसंद हैं, जिनमें उन्होंने पुष्पा से बिल्कुल अलग किरदार निभाए हैं। वह कमाल के एक्टर हैं। कृति की इस बात से साफ है कि वह अल्लू अर्जुन की एक्टिंग और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की उनकी कला की बहुत इज्जत करती हैं। दोनों ही इस समय अपने करियर के शानदार दौर में हैं और पूरे देश में उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है। ऐसे में अगर कृति सेनन और अल्लू अर्जुन पहली बार किसी फिल्म में साथ नजर आते हैं, तो फैंस के लिए यह किसी बड़े तोहफे से कम नहीं होगा। आजकल अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार साथ काम कर रहे हैं, ऐसे में कृति सेनन और अल्लू अर्जुन की जोड़ी भी बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार फैंस जरूर करेंगे।

डायरेक्टर ने प्राइम वीडियो की सीरीज के सीजन 4 पर खुशखबरी दे दी

अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' पर बनी फिल्म 'सितंबर' में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। इस फिल्म को लेकर लंबे वक्त से चर्चा है। इस बीच अब सीरीज के डायरेक्टर गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर के सीजन 4 पर एक बड़ा अपडेट फैंस के साथ शेयर कर दिया है। उन्होंने बताया है कि 'मिर्जापुर सीजन 4' की स्क्रिप्ट तैयार की जा रही है। हालांकि उन्होंने कहानी को लेकर कोई हिंट नहीं दिया है। वैरायटी इंडिया से बात करते हुए गुरमीत सिंह ने कहा, "स्क्रिप्ट लिखी जा रही है।" उन्होंने बताया, "मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि फिलहाल स्क्रिप्ट तैयार की जा रही है और हमें उसका भी बेसब्री से इंतजार है।"

फिल्म का सीरीज पर असर नहीं

निर्देशक के दिए गए इस अपडेट के बाद साफ हो गया है कि मेकर्स मिर्जापुर पर फिल्म भले लेकर आ रहे हैं, लेकिन सीरीज पर इसका कोई असर नहीं पड़ने वाला है। पिछले साल मेकर्स ने 'मिर्जापुर द फिल्म' का ऐलान किया था। इस फिल्म में सीरीज में काम करने वाले तमाम फेमस चेहरे नज़र आने वाले हैं, जिन्में मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु भी शामिल हैं। दरअसल सीरीज में मुन्ना भैया के किरदार की मौत हो गई है, ऐसे में फिल्म में उनके किरदार की वापसी से फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

फिल्म में दिखेंगे ये कलाकार

'मिर्जापुर द फिल्म' में पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार और हर्षिता गौड़ समेत सीरीज में नज़र आए कई कलाकार दिखाई देंगे। गुरमीत ने इस दौरान बताया, "फिलहाल फिल्म इन सब के केंद्र में है, इसलिए मेरे लिए ये बताना मुश्किल होगा कि चीज़ें किस तरह से हो रही हैं। अभी सारा ध्यान फिल्म पर है क्योंकि हमारे लिए इसे पूरा कर पाना एक बहुत ही अनोखी बात है।"

कब शुरू होगी शूटिंग?

सीरीज कब फ्लोर पर आएगी? इस पर गुरमीत सिंह ने कहा, "मुझे नहीं पता इसकी जानकारी फिलहाल मेरे पास है भी कि नहीं।" आगे वो कहते हैं, "पर मुझे यकीन है कि बैकरूम में इसकी प्लानिंग जरूर की जा रही होगी। और उन्हें पता होगा क्योंकि इसमें कई कलाकार शामिल होंगे। चीज़ों को पहले से अच्छे से प्लान करना तो जरूरी है ही। इसलिए मुझे लगता है कि वो फिलहाल हमें परेशान नहीं करना चाहते क्योंकि वो चाहते हैं कि हम फिल्म पर फोकस करें। मुझे लगता है कि जब फिल्म पूरी हो जाएगी तो उस पर बातचीत की स्पीड फिर से बढ़ेगी।"

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में वैष्णवी देगी तुलसी को धोखा

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' इन दिनों अपनी कहानी और किरदार की वजह से सोशल मीडिया पर चर्चा में बना हुआ है। वहीं तुलसी की जिंदगी में पुराने विलेन तृप्ति की एंट्री होने के बाद कहानी में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जो दर्शकों को सीरियल से बंधे रखे हुए है। अपकमिंग एपिसोड में दिखाया जाएगा कि कैसे वैष्णवी अपनी सबसे बड़ी शुभचिंतक तुलसी को धोखा दोती है। वह तृप्ति के साथ मिलकर शांतिनिकेतन को बर्बाद करने का प्लान बनाते नजर आएगी। हालांकि, आने वाले एपिसोड में मिहिर से जुड़ा एक बड़ा खुलासा भी होने वाला है, जिसे गौतम और करण ने अब तक छुपा कर रखा था।

तुलसी के परिवार को बर्बाद करेगी तृप्ति

स्टार प्लस के शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में चौंकाने वाले मोड़ आ रहे हैं, क्योंकि तुलसी का सामना विरानी परिवार की सबसे बड़ी दुश्मन तृप्ति से होता है। विरानियों को बर्बाद करने के लिए वापस आई तृप्ति अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए करण और उसकी बेटी समायरा का इस्तेमाल करती है। समायरा, तृप्ति के सौतेले बेटे सिड से प्यार करती है। सिड भी समायरा से बहुत प्यार करता है, जिससे तृप्ति को शांति निकेतन में दोबारा घुसने का सही मौका मिल जाता है। ऐसा लगता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है। जैसे कभी दामिनी ने तृप्ति का साथ देकर तुलसी को धोखा दिया था। वैसे ही अब उसकी बहू भी ऐसा ही कर सकती है।

बर्बाद की वजह बनेगा तुलसी का बेटा करण

तृप्ति खुशी-खुशी सिड और समायरा के रिश्ते को मंजूरी दे देती है। कहानी में नया मोड़ तब आता है, जब करण भी उसके साथ बिजनेस करने के लिए राजी हो जाता है। हालांकि, करण को समायरा की शादी तृप्ति के परिवार में करने को लेकर हिचकिचाहट होती है, लेकिन तृप्ति उसे तुलसी के खिलाफ भड़काती है और उसे इस रिश्ते के लिए राजी कर लेती है। कहानी में आगे देखने को मिलता है कि तुलसी बुरी तरह टूट जाती है, जब वह देखती है कि करण तृप्ति का साथ दे रहा है। तुलसी को दुख होता है कि वह उसका भरोसा तोड़ रहा है और खुद ही घर को बर्बाद करने वाला बन रहा है।

'कहानी 3' में विद्या बालन की जगह यामी गौतम की होगी एंट्री

थ्रिलर फ्रेंचाइजी 'कहानी' के तीसरे भाग पर काम शुरू हो चुका है और इसका निर्देशन एक बार फिर सुजॉय घोष ही करेंगे। पहली दो फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली विद्या बालन की जगह इस बार अभिनेत्री यामी गौतम को मुख्य किरदार के लिए चुने जाने की चर्चा है।

हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'कहानी 3' पिछली फिल्मों का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने आएगी। इसके बावजूद फिल्म में रहस्य, रोमांच और सस्पेंस का वही माहौल बनाए रखा जाएगा, जिसने 'कहानी' फ्रेंचाइजी को दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई थी। फिलहाल फिल्म प्री-प्रोडक्शन चरण में है और निर्माता शूटिंग की समय-सीमा तय करने के साथ अन्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, नई फिल्म का उद्देश्य फ्रेंचाइजी को एक नए अंदाज में आगे बढ़ाना है। यामी गौतम का किरदार काफी मजबूत और चुनौतीपूर्ण बताया जा रहा है, जिसके इर्द-गिर्द पूरी कहानी बुनी जाएगी। निर्माता चाहते हैं कि फिल्म नई पीढ़ी के दर्शकों को भी आकर्षित करे और साथ ही पुराने प्रशंसकों को वही रोमांचक अनुभव मिले, जिसके लिए यह फ्रेंचाइजी जानी जाती है। 'कहानी' और 'कहानी 2' अपनी दमदार पटकथा, अप्रत्याशित ट्विस्ट, सस्पेंस और मजबूत महिला किरदारों के कारण हिंदी सिनेमा की सबसे सफल थ्रिलर फिल्मों में शामिल हैं। विद्या बालन के अभिनय ने इन फिल्मों को अलग पहचान दिलाई और यह फ्रेंचाइजी आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है। निर्देशक सुजॉय घोष रहस्य और सस्पेंस पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका प्रयास है कि 'कहानी 3' नई कहानी और नए किरदारों के साथ ताजगी लेकर आए, लेकिन इसकी मूल भावना और रोमांच पहले की तरह बरकरार रहे। टीम फिलहाल पटकथा, कलाकारों और शूटिंग की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी हुई है। यदि सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है।

अल्लू अर्जुन ने फैंस और हेटर्स को दी खास सीख

जब सबसे बड़ी फैन फॉलोइंग की बात होती है, तो अल्लू अर्जुन का नाम सबसे पहले लिया जाता है। भारत के सबसे बड़े पैन इंडिया स्टार माने जाने वाले अल्लू अर्जुन ने अपनी दमदार एक्टिंग और शानदार अंदाज से करोड़ों लोगों का दिल जीता है। वह हमेशा अपने फैंस के लिए समय निकालते हैं,चाहे सोशल मीडिया हो या फिर उनसे आमने-सामने मिलना। यही वजह है कि वह अपने फैंस के लिए हर बार कुछ खास करते नजर आते हैं।

हाल ही में हैदराबाद में हुए ऑल इंडिया अल्लू अर्जुन फैन एसोसिएशन (AAFA) के सालाना कार्यक्रम में अल्लू अर्जुन ने हजारों फैंस से मुलाकात की। अपने सिग्नेचर ब्लैक आउटफिट में पहुंचे अल्लू ने फैंस से दिल खोलकर बात की, सभी से हर साल कम से कम एक अच्छा काम करने की अपील की और अपने फैंस, एंटी-फैंस और हेटर्स के लिए भी एक खास संदेश दिया। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैं काफी समय से अपने फैंस, एंटी-फैंस और हेटर्स से एक बात कहना चाहता था। मेरी इस बात को याद रखना, क्योंकि मैं लंबे समय से ऐसे मौके का इंतजार कर रहा था। अगर आपको कोई पसंद नहीं है, तो उससे नफरत करने और उसे ट्रोल करने में अपना समय बर्बाद मत कीजिए। उन्होंने आगे कहा, अगर कोई पसंद नहीं है, तो उसे छोड़ दीजिए। अपने समय का 1% भी उस पर बर्बाद मत कीजिए। अगर आपके पास 100 रुपये हों, तो क्या आप उन्हें ऐसी चीज पर खर्च करेंगे जो आपको पसंद नहीं है? बिल्कुल नहीं। इसलिए अपना समय उन चीजों पर लगाइए जो आपको पसंद हैं। जिस लड़की को आप पसंद करते हैं, उसके घर के बाहर जाकर इंतजार करिए।

मृणाल ठाकुर का 'बॉस लेडी' अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर जब भी कोई नया लुक शेयर करती हैं, तो फैंस का दिल धड़कना तय है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका 'बॉस लेडी' अवतार इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। मृणाल का यह पावर-पैक और ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट फैशन लवर्स के लिए एक परफेक्ट इंस्पिरेशन बन गया है।

मृणाल ने इस फोटोशूट के लिए क्लासिक बेज शेड का पिनस्ट्राइप ओवरसाइज़्ड पैंटसूट चुना है। उन्होंने ढीला-ढाला ओवरसाइज़्ड ब्लेज़र पहना है, जिसकी स्लीव्स को थोड़ा ऊपर करके एक कैजुअल लेकिन बॉसी टच दिया गया है। इसके साथ मैचिंग वाइड-लेग ट्राउज़र बेहद कम्फर्टेबल और ट्रेंडी लग रहा है। ब्लेज़र के अंदर मृणाल ठाकुर ने सैटिन-लेस नेकलाइन वाला कैमिसोल पेयर किया है, जो पूरे लुक में एक बोल्ड और फेमिनिन टच जोड़ता है। अपने इस फॉर्मल-कैजुअल फ्यूजन को कंप्लीट करने के लिए मृणाल ने हील्स के बजाय ऑनिटसुका टाइगर स्टाइल के व्हाइट और ब्लू स्नीकर्स पहने हैं, जो उनके लुक को एकदम कूल और ट्रेंडी बनाते हैं। मृणाल का मेकअप और एक्सेसरीज़ उनके लुक को और भी निखार रहे हैं।

रिलीज से पहले वायरल हुईं 'रामायण' की क्लिप्स

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर आधिकारिक रिलीज से पहले ही ऑनलाइन लीक होने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि, रणबीर कपूर अभिनीत इस फिल्म के निर्माताओं की ओर से ट्रेलर के लीक होने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रेलर को अभी सार्वजनिक रूप से जारी नहीं किया गया है, लेकिन इसे कुछ चुनिंदा कार्यक्रमों में प्रदर्शित किया गया था। इसके बाद कथित तौर पर ट्रेलर के कुछ हिस्से इंटरनेट पर पहुंच गए।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कम गुणवत्ता वाली क्लिप्स को देखकर कई प्रशंसकों ने फिल्म के भव्य पैमाने, दृश्य प्रभावों और बैकग्राउंड संगीत की सराहना की है। कुछ लोगों का कहना है कि कम रिजॉल्यूशन में भी फिल्म का प्रस्तुतीकरण प्रभावशाली नजर आ रहा है और इससे फिल्म को लेकर उनकी उत्सुकता और बढ़ गई है। वहीं, कई प्रशंसकों ने इतनी बड़ी फिल्म का फुटेज रिलीज से पहले लीक होने पर चिंता भी जताई है। उनका मानना है कि निर्माताओं को सामग्री की सुरक्षा के लिए और अधिक मजबूत इंतजाम करने चाहिए थे, ताकि लंबे समय की मेहनत इस तरह समय से पहले सार्वजनिक न हो। कुछ दर्शकों ने यह भी मांग की है कि अब आधिकारिक ट्रेलर जल्द जारी कर दिया जाए, क्योंकि फिल्म के कई दृश्य पहले ही सोशल मीडिया पर फैल चुके हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म के ट्रेलर की रिलीज इसलिए टाल दी गई क्योंकि सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट के साथ फिल्म की अंतरराष्ट्रीय वितरण साझेदारी को अंतिम रूप दिया गया है। इसी प्रक्रिया के चलते ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम को स्थगित किया गया। हालांकि, नई रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। 'रामायण' को दो भागों में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। पहला भाग दिवाली 2026 के अवसर पर दर्शकों के सामने आएगा, जबकि दूसरा भाग वर्ष 2027 के त्योहारी सीजन में रिलीज करने की योजना है।

इसमें उनके शुरुआती दिनों से लेकर भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में शामिल होने तक के कई अनसुने और दिलचस्प प्रसंग शामिल किए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि यह पुस्तक उनके प्रशंसकों को उनके जीवन के ऐसे पहलुओं से परिचित कराएगी, जिनके बारे में अब तक बहुत कम जानकारी सामने आई है। आत्मकथा के साथ-साथ इस पर आधारित एक बायोपिक फिल्म बनने की भी चर्चाएं तेज हैं। खबरों के अनुसार, रजनीकांत ने इस विषय पर अपने करीबी सहयोगियों से प्रारंभिक स्तर पर विचार-विमर्श किया है। हालांकि, फिल्म निर्माण या आत्मकथा के प्रकाशन को लेकर अभी तक किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्मी मोर्चे पर रजनीकांत इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों में व्यस्त हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं। इसके अलावा वह धर्मन की शूटिंग भी कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री सिमरन एक बार फिर रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। दोनों इससे पहले वर्ष 2019 में रिलीज हुई फिल्म पेट्टा में साथ काम कर चुके हैं।

सुपरस्टार रजनीकांत प्रकाशित करेंगे अपनी आत्मकथा

अपने प्रशंसकों के लिए सुपरस्टार रजनीकांत अपनी आत्मकथा प्रकाशित करने वाले हैं, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अनसुने और प्रेरणादायक अनुभवों को प्रकाशित करवाएंगे। बताया जा रहा है कि इस परियोजना पर काफी समय से काम चल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रस्तावित आत्मकथा में रजनीकांत के निजी जीवन, संघर्ष, फिल्मी करियर और सफलता तक पहुंचने की पूरी यात्रा का विस्तार से उल्लेख होगा।

पूजा हेगड़े का ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्री पूजा हेगड़े अपने बेहतरीन फैशन सेंस और ग्रेसफुल अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने नए फोटोशूट की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका बोल्ड और क्लासी अवतार साफ नजर आ रहा है। इन तस्वीरों में पूजा की खूबसूरती और स्टाइल स्टेटमेंट को देखकर उनके प्रशंसक मंत्रमुग्ध हो गए हैं। तस्वीरों में पूजा ने रिच चॉकलेट ब्राउन शेड का मोनोक्रोमैटिक को-ऑर्ड सेट पहना है, जिसका सैटिन फिनिश फैब्रिक लुक में शाइन जोड़ रहा है। पूजा ने स्ट्रैपलेस, एसिमेट्रिक ओवरलैप कट वाला ट्यूब/बर्स्टियर टॉप कैरी किया है, जो फ्रंट-स्लिट कटआउट के साथ एक बोल्ड और ट्रेंडी अपील देता है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग वाइड-लेग और लूज-फिटेड फ्लेयर्ड पैंट्स पेयर की हैं, जो उन्हें एक बॉस-लेडी लुक देती हैं। लुक को पूरा करने के लिए पूजा ने डार्क ब्राउन कलर की हील्स पहनी हैं, जो उनके टॉल बॉडी पोस्चर को पूरी तरह सूट कर रही हैं। पूजा ने गले में एक खूबसूरत लेयर्ड गोल्ड एंटीक चोकर-स्टाइल नेकलेस और पेंडेंट पहना है। हाथों में स्टेटमेंट गोल्ड बैंगल्स और ब्रेसलेट्स उनके लुक में विंटेज चार्म जोड़ रहे हैं। हेयर स्टाइलः बालों को उन्होंने सॉफ्ट कर्ल्स/वेव्स के साथ साइड-पार्टेड ओपन स्टाइल में रखा है, जो हवा में लहराते हुए काफी अट्रैक्टिव लग रहे हैं। न्यूड पिंकिश लिपस्टिक, सॉफ्ट ब्लश और मिनिमल आई मेकअप के साथ पूजा का ग्लोइंग स्किन टोन निखर कर आ रहा है। कैमरे की ओर उनके न्यूट्रल, एटीट्यूड-भरे और किलर एक्सप्रेशन्स हर तस्वीर में कमाल लग रहे हैं। तस्वीरों में पूजा हेगड़े कभी दीवार से टिककर कैजुअल पोज देती नजर आ रही हैं, तो कभी फ्रंट कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए अपनी कातिलाना अदाएं बिखेर रही हैं।

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR